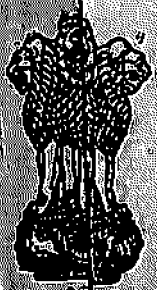

२

संख्या १

बिहार विधान सभा वादवृत्त

सरकारी रिपोर्ट

बुधवार, तिथि २८ जनवरी, १९५३ ।

Vol. II. No. 1

The Bihar Legislative Assembly Debates

Official Report.

Wednesday, the 28th January, 1953.

अधीक्षक, राजकीय मुद्रणालय, बिहार,

मूल्य—६ आ]
Price—A 6.]

बिहार विधान सभा वादवृत।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में सोमवार, तिथि, २३ फरवरी, १९५३ को पूर्वाह्न ११ बजे में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

DACOITY IN THE HOUSE OF SHRI VISHWANATH TIWARI OF VILLAGE FARUSAHI.

21. Shri SUKHDEO NARAIN SINGH MAHTHA : Will the Chief Minister be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that the Police have taken no steps in connection with the dacoity that took place in January last in the house of Shri Viswanath Tiwari of Village Farusahi, P.-S. Manjhi, District Saran ;

(*b*) if so, the reason for the same ; if not, what steps have they taken in this connection and with what result ?

Shri KRISHNA BALLABH SAHAY : (*a*) The answer is in the negative.

(*b*) The question does not arise.

WARRANTS OF ARREST AGAINST PAHARIAS.

28. Shri RASH BIHARI LAL : Will the Minister, in charge of the Revenue Department, be pleased to state—

(*a*) whether it is a fact that warrants of arrest against some Paharias of Rajmahal, Sahibganj hills have been issued by the S. D. O., Sahibganj, and their properties have been seized under sections 88 and 87, Cr. P. C., for their non-appearance ;

(*b*) whether it is a fact that the Minister, in charge of Revenue has assured that no interference would be made in the harvesting of Sabai grass grown on their land and cases would be withdrawn ;

(*c*) if it is a fact that several Paharias have run away to hills in fear of the atrocities of the local officials and have submitted several representations to the Minister, Revenue, and the Secretary, Revenue Department, alleging *ZULUM* by them against Paharias ;

(*d*) if the answers to clauses (*a*) to (*c*) be in the affirmative, will Government be pleased to state what are the contents of the representations and what action have been taken thereon ;

(*e*) whether reports have been called for from the local officials and what are the reasons of the delay in the submission of the reports ?

दिया और न्यायालय ने कलक्टर (समाहर्त्ता) को रिसीवर (प्राप्तकर्त्ता) के रूप में नियुक्त किया। अतः उनका प्रबन्ध उसके अधीक्षण में हो रहा है। दूसरी अधिसूचना में बेतिया राज्य के भी ४ जंगल हैं।

(ख) (१) हाथ में प्रबन्ध ले लेने की तारीख से ३१ मार्च, १९५२ तक बिहार प्राइवेट फारेस्ट ऐक्ट के अधीन किए गए कुल मुकदमों की संख्या ७८ है।

(२) निर्मित मामलों की संख्या

(अ)	जिन मामलों में दंड दिए गए उनकी संख्या	५९
(आ)	सुलह किए गए मामलों की संख्या	११
(इ)	अवशोधित मामलों की संख्या	२७
(ई)	न्यायालय में विचाराधीन मामलों की संख्या	२१
	.. ..	१९

आबकारी विभाग में दारोगा और जमादार के पद के लिये आवेदन।

३२९। श्री चेतू राम—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि आबकारी विभाग में दारोगा और जमादार की बहाली के लिये जगहें खाली हैं;

(ख) यदि खंड (क) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो कितनी आवेदनियों ने दरखास्त दी है;

(ग) क्या यह बात सही है कि श्री दामोदर प्रसाद नाम के व्यक्ति, ग्राम देली, थाना बख्तियारपुर, जिला पटना ने भी दरखास्त दी है;

(घ) यदि खंड (ग) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो कब तक इन्टरभिउ लिया जायगा;

(ङ) यदि उपरोक्त खंड (घ) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार इसमें कितने राजनीतिक-पीड़ित और कितने हरिजन उम्मीदवार को खास सुविधा देने का विचार करती है?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) अभी सभी जिलों से मनोनयन पत्र एवं दरखास्त नहीं आने के कारण, दरखास्तों की संख्या बताना संभव नहीं है।

(ग) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(घ) पटने जिले के उम्मीदवार ८ जुलाई, १९५२ को कलक्टर के समक्ष उपस्थित हुए।

(ङ) हरिजन उम्मीदवारों की बहाली निश्चित प्रतिशत के अनुसार होगी तथा राजनीतिक-पीड़ितों की बहाली उनकी योग्यतानुसार होगी।

हाजीपुर में कृषक ऋण।

३३०। श्री हरवंश नारायण सिंह—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) हाजीपुर सबडिवीजन के किन-किन थानों में कितना-कितना कृषक ऋण दिया गया है;

(ख) हाजीपुर थाने के किस गाँव के लोगों को सबसे अधिक कृषक ऋण मिला है;

(ग) क्या यह बात सही है कि जिस गांव को सबसे अधिक ऋण मिला उस गांव के लोगों ने इसका उपयोग कृषि में नहीं कर के सूद कमाने के लिये कर्ज में लगाया है, अगर हां तो सरकार उसके लिये क्या कर रही है?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—(क) हाजीपुर सबडिवीजन के प्रत्येक थाने को १९५१-५२ में निम्नलिखित कृषक ऋण दिए गए हैं:—

					रुपया
(१) हाजीपुर थाना	..	..	..	..	१,५२,१२०
(२) लालगंज थाना	..	..	..	..	१,५६,९२०
(३) राघोपुर थाना	..	..	..	..	१,३२,०२५
(४) महनार थाना	..	..	..	..	१,८९,६५०
(५) महुआ थाना	..	..	..	..	१,८७,०५०
(६) पातेपुर थाना	..	..	..	..	१,४७,२५०

(ख) हाजीपुर थाने के सभी गांवों के बीच दयालपुर गांव में कृषक ऋण सबसे अधिक दिया गया।

(ग) स्थानीय पदाधिकारियों अथवा सरकार को ऋण के दुरुपयोग करने की कोई जानकारी नहीं है।

सिंहभूम में लघु-सिंचन योजना।

३३१। श्री अंकुरा हो—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

सिंहभूम जिले के अन्तर्गत जामदा, झींकपानी और मझगांव थाने में लघु-सिंचाई योजना की कितनी स्कीमें अब तक तैयार हुई हैं और इससे फसल में कितनी प्रतिशत की वृद्धि हुई है?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—

क्षेत्र का नाम।				पूरी की गई लघु-सिंचाई योजना की संख्या।	लाभान्वित होनेवाले क्षेत्र।
					एकड़
जमदा	..	..	..	८७	१३,०००
झिन्कपानी	..	..	..	१६	२,०००
मझगांव	..	..	..	५८	७,०००

इस योजना के फलस्वरूप प्रतिवर्ष करीब ९०,००० मन अधिक अन्न की उपज की आशा की जाती है।